


---

# Mahamrityunjaya Ashtakam

——  
**महामृत्युञ्जयाष्टकम्**

——  
**Document Information**



---

Text title : Mahamrityunjaya Ashtakam

File name : mahAmRRityunjayAShTakam.itx

Category : shiva, aShTaka

Location : doc\_shiva

Proofread by : Paresh Panditrao

Latest update : December 16, 2022

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 16, 2022

*sanskritdocuments.org*

---



महामृत्युञ्जयाष्टकम्




ॐ मृत्युञ्जय ! परेशान जगदामयनाशन ! ।  
तव ध्यानेन देवेश ! मृत्युं प्राप्तोऽपि जीवति ॥ १ ॥  
पञ्चास्यदोर्दण्डदशाङ्घ्रिनेमदिनेशभालेन्दुयुतं गणेशैः ।  
वामाङ्गसंस्थागिरिजासमेतं वन्दे महामृत्युविनाशरूपम् ॥ २ ॥  
देवं मृत्युविनाशनं भयहरं साम्राज्यमुक्तिप्रदं  
नानाभूतगणान्वितं दिवि पदैर्देवैः सदा सेवितम् ।  
अज्ञानान्धकनाशनं शुभकरं विद्यासुसौख्यप्रदं  
सर्वं सर्वपतिं महेश्वरहरं मृत्युञ्जयं भावये ॥ ३ ॥  
वन्दे ईशानदेवाय नमस्तस्मै पिनाकिने ।  
आदिमध्यान्तरूपाय मृत्युनाशं करोतु मे ॥ ४ ॥  
नमस्तस्मै भगवते कैलासाचलवासिने ।  
नमो ब्रह्मेन्द्ररूपाय मृत्युञ्जय प्रसीद मे ॥ ५ ॥  
नमो विष्णुवर्करूपाय नमो ज्ञानस्वरूपिणे ।  
मृत्युं नाशयतामाशु मृत्युञ्जय प्रसीद मे ॥ ६ ॥  
त्र्यम्बकाय नमस्तुभ्यं पञ्चास्याय नमो नमः ।  
दोर्दण्डचापाय नमो मम मृत्युं विनाशय ॥ ७ ॥  
नमोऽर्धेन्दुस्वरूपाय नमो दिग्वसनाय च ।  
नमो भक्तार्तिहन्त्रे च मम मृत्युं विनाशय ॥ ८ ॥  
मृत्युञ्जयाष्टकं दिव्यं त्रिकाले यः पठेन्नरः ।  
अपमृत्युर्ब्रजेत्तस्य सत्यं सत्यं शिवाज्ञया ॥ ९ ॥  
अर्धरात्रे जपेन्नित्यं चतुरशीतिसङ्ख्याया ।  
काले मृत्युर्विनश्येत अकालाल्पस्य का कथा ॥ १० ॥


आलस्येनाप्रसङ्गेन श्रद्धाहीनेन चेतसा ।  
पठेद्यद्यप्यकालेषु ध्रुवं मृत्युं निवारयेत् ॥ ११ ॥  
॥ इति महामृत्युञ्जयाष्टकम् ॥

Proofread by Paresh Panditrao

---

——  
*Mahamrityunjaya Ashtakam*

pdf was typeset on December 16, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

